यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

Union Bank of India

सावधानी

में ही सुरक्षा है

पासवर्ड गोपनीयता

जागरूकता

नवीनतम एंटी वायरस

डाटा बैकअप

सुरक्षित वेबसाइट

जंक से छुटकारा

कंप्यूटर लॉक रखना

क्या हुआ स्वीटी कोई परेशानी है?
नहीं, पर जब से फिशिंग रेनसमवेयर, हैकिंग और दूसरे साइबर अपराधों के विषय में सुना है घबराहट हो रही है.
तुम भी तो कंप्यूटर पर काम करते हो, पर तुम्हारे चेहरे पर जरा भी शिकन नहीं दिखती.
मोहक तुम इतनी शांत कैसे रह लेते हो?
अरे, इसमें परेशान होने की नहीं, सावधानी बरतने की आवश्यकता है, वैसे ही, जैसे सड़क पर चलते समय.

मेरे लिए यह सब नया है, जरा अच्छे से समझाओ.
जैसे पत्र भेजते समय पता ठीक होना चाहिए, उसी तरह इंटरनेट पर लॉगिन करते समय भी सही वेबसाइट पर लॉगिन करें.
यह कैसे पता चलेगा कि उक्त साइट ठीक है या नहीं?
हां, ऐसी साइट "https://" से या पैडलॉक के चिन्ह से प्रारंभ होती है.
ट्रिंग ट्रिंग
मैं अभी आई. मुझे सर बुला रहे हैं.

ठहरो, कभी अपना घर बिना ताला लगाए छोड़ती हो?
नहीं तो.
फिर अपना कंप्यूटर और फोन क्यों, जब भी सीट से उठो इनको लॉक करके जाओ.
पीछे से कोई फाईल, डाटा नहीं चुरा सकेगा और न ही अनाधिकृत प्रविष्टि कर सकेगा.
हाय! ऐसा तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था.
इतनी सुरक्षित सलाह देने के लिए धन्यवाद.
Z z

शैली जल्दी से मेरा कंप्यूटर खोल दो. बॉस को तुरंत आवश्यक जानकारी देनी है.
मेरा पासवर्ड है.... ....
रुको.
यह गलती कभी मत करना. किसी को भी अपना पासवर्ड बताना तो दूर, देखने भी नहीं देना.
तुम्हारी व कंपनी की फाइलों और डाटा को सुरक्षित रखने के लिए पासवर्ड को गोपनीय रखना आवश्यक है.
यूनियन बैंक
का साथ
सबका विकास

वाह! स्वीटी, तुम्हारे हस्ताक्षर तो बहुत सुंदर हैं.
पर यह इतने जटिल क्यों हैं?
सीधी सी बात है, कोई आसानी से जाली हस्ताक्षर न बना सके.
बस, पासवर्ड भी ऐसे ही शब्दों, अंकों आदि से बनाना चाहिए जिसकी कल्पना आसानी से कोई न कर सके.
यूनियन बैंक
ऐसे पासवर्ड जैसे जन्मतिथि, घर का नंबर, बच्चों या पालतू जानवरों आदि के नाम तो बिल्कुल ही नहीं रखने चाहिए.

पिंकी 12345
हां, इनका तो सरलता से अंदाज़ा लगाया जा सकता है.
गुड्डू 01010202
टाइगर 420
घर नंबर 11
यही नहीं, समय-समय पर पासवर्ड बदलते भी रहना चाहिए.
कभी यह आशंका हो कि पासवर्ड किसी को पता चल गया है तो उसे तुरंत बदल दें.
पासवर्ड तो मैं सुरक्षित कर लूंगी पर इस सिस्टम की सुरक्षा कौन सुनिश्चित करेगा?
इसकी चिंता छोड़ो.
इनसे मिलो, यह हैं निपुण. यह और इनकी टीम पूरे सिस्टम की निगरानी करती है.
अच्छा!

हां, सिस्टम जरूरी एंटीवायरस/एंटी मालवेयर द्वारा पूरी तरह सुरक्षित रखा जाता है.
अच्छा.
यही नहीं, आवश्यकतानुसार सॉफ्टवेयर भी अपडेट किए जाते हैं.
सुरक्षा, एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, एक समय घर में दरवाजा लगाना भर पर्याप्त था, फिर लोग ताला लगाने लगे.
अब तो चारदीवारी, चौकीदार और सीसीटीवी जैसे कितने ही उपाय करने पड़ते हैं.
इसी तरह सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में घर के कंप्यूटर को नवीनतम एंटीवायरस से लैस करना और उसे नियमित रूप से अपडेट करते रहना भी जरूरी है.

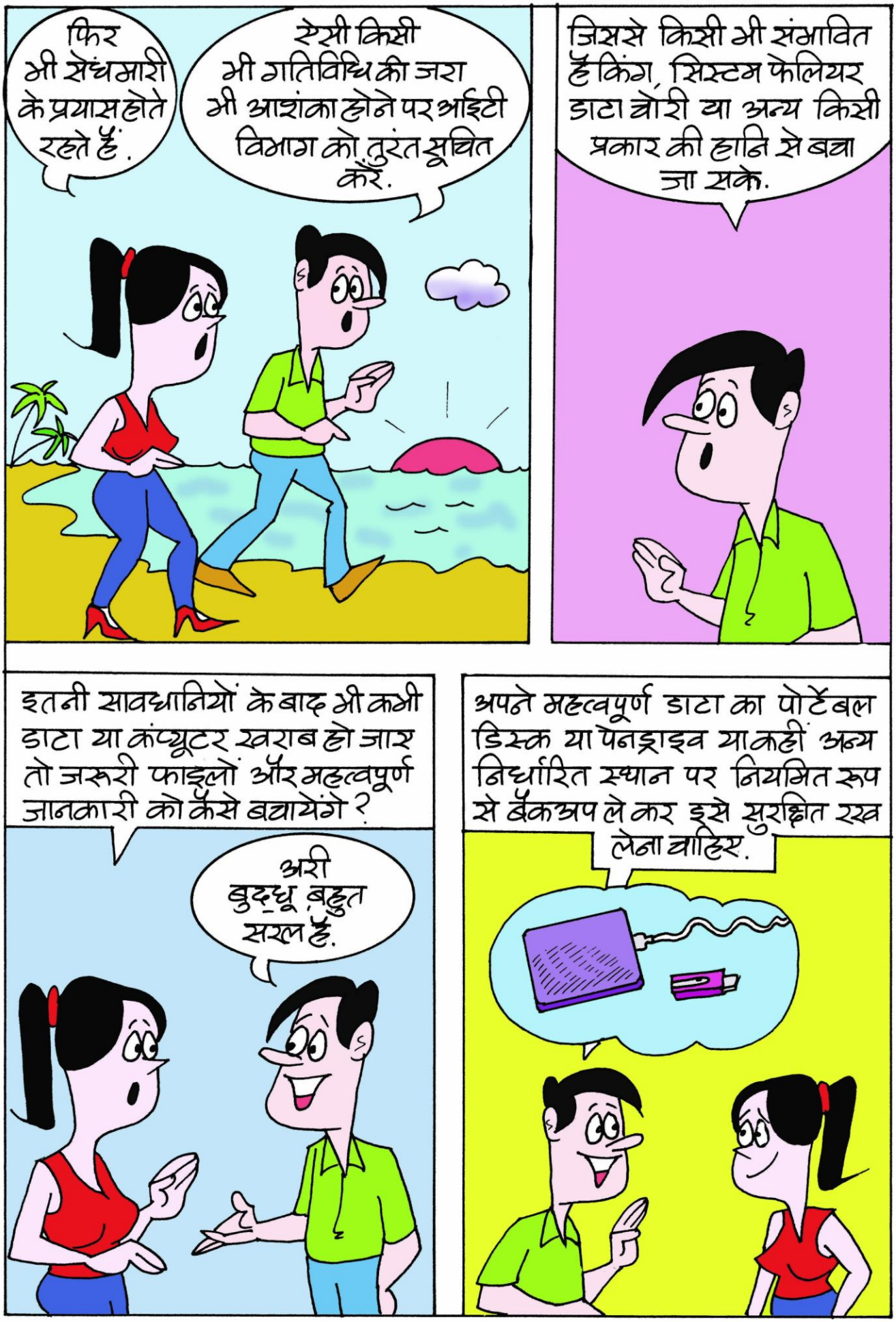
फिर भी सेंधमारी के प्रयास होते रहते हैं.
ऐसी किसी भी गतिविधि की जरा भी आशंका होने पर आईटी विभाग को तुरंत सूचित करें.
जिससे किसी भी संभावित हैकिंग, सिस्टम फेलियर डाटा चोरी या अन्य किसी प्रकार की हानि से बचा जा सके.
इतनी सावधानियों के बाद भी कभी डाटा या कंप्यूटर खराब हो जाए तो जरूरी फाइलों और महत्वपूर्ण जानकारी को कैसे बचायेंगे ?
अरी बुद्धू बहुत सरल है.
अपने महत्वपूर्ण डाटा का पोर्टेबल डिस्क या पेनड्राइव या कहीं अन्य निर्धारित स्थान पर नियमित रूप से बैकअप ले कर इसे सुरक्षित रख लेना चाहिए.

वाह! तुमने तो मेरा सारा डर ही निकाल दिया.
तो फिर हो जाए पार्टी.
हो जाए, पर आज नहीं कल.
दो दिन बाद
किसी को बनाना तो कोई तुमसे सीखे.
क्या मतलब?
अपना डेस्क साफ रखें
पार्टी न देनी पड़े इसलिए छुट्टी लेकर बैठ गई.

मैं एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने गई थी.
अच्छा, क्या सीखा? कुकिंग या फैशन के टिप्स!
जी नहीं, कंप्यूटर कार्यशाला थी.
बता रहे थे कि जिस तरह हम अनजान लोगों के लिए दरवाजा नहीं खोलते, उसी तरह अनजान ई-मेल या उसकी अटेचमेंट को खोलने से बचना चाहिए.
अपनी व्यक्तिगत जानकारी, आईडी, खाता संख्या या कार्ड नंबर आदि भी किसी अज्ञात व्यक्ति को नहीं देना है.
जैसे हर ताले की चाबी अलग-अलग होती है, बिल्कुल उसी तरह - फेसबुक, मेल आदि हरेक पासवर्ड भी अलग-अलग रखना चाहिए.

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, डिजिटल बैंकिंग विभाग एवं सीसो कार्यालय के समन्वयन से राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग, मानव संसाधन विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई द्वारा प्रकाशित